कवन - 2

(भाषा सीखने का नया नज़रिया)

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल
(Speaking Skills)

पठन कौशल
(Reading Skills)

लेखन कौशल
(Writing Skills)

दृश्य अवलोकन कौशल
(Viewing Skills)

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढीर
M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

नाम –

कक्षा –

विद्यालय –

पाठ विवरण

क्रम	विषय	Contents	पृष्ठ क्रमांक
1	सचित्र स्वर बोध	(Vowels)	01
2	पुनरावर्तन : स्वर	(Revision : Vowels)	02
3	अभ्यास : स्वर	(Exercise : Vowels)	06
4	राष्ट्रीय प्रतीक	(National Symbols)	08
5	भारतीय मुद्राएं	(Indian Currencies)	09
6	सचित्र व्यंजन बोध	(Consonants)	10
7	पुनरावर्तन : व्यंजन	(Revision : Consonants)	13
8	अभ्यास : व्यंजन	(Exercise : Consonants)	23
9	बंद जगह पर खेले जाने वाले खेल	(Indoor Games)	26
10	खुली जगह पर खेले जाने वाले खेल	(Out Door Games)	27
11	बाल गीत - 1	(Rhyme - 1)	28
12	मात्राओं का परिचय		29
13	स्वरों की मात्राएं		30
14	बारह - खड़ी		58
15	अभ्यास : बारह - खड़ी		65
16	ड़ और ढ़ का प्रयोग		66
17	अच्छी आदतें	(Good Habits)	68
18	हमारे सहायक	(Our Helpers)	69
19	बाल गीत - 2	(Rhyme - 2)	70
20	मौसम / ऋतु	(Seasons)	71
21	और-ओर का प्रयोग		72
22	मैं-में का प्रयोग		74
23	यह-ये का प्रयोग		76
24	वह-वे का प्रयोग		77
25	समान अर्थ वाले शब्द	(Synonyms)	78
26	उल्टा अर्थ वाले शब्द	(Antonyms)	80
27	एक-अनेक	(One - Many)	82

28	एक से अधिक अर्थ वाले शब्द	(Homonyms)	84
29	चित्र वर्णन	(Picture Composition)	86
30	श्रवण कौशल	Listening Skills	91
31	श्रवण कौशल - 1 (कहानी)	Listening Skills - 1 (Story)	92
32	श्रवण कौशल - 2 (कविता)	Listening Skills - 2 (Poem)	93
33	श्रवण कौशल - 3 (कहानी)	Listening Skills - 3 (Story)	94
34	श्रवण कौशल - 4 (संवाद)	Listening Skills - 4 (Conversation)	96
35	श्रवण कौशल - 5 (संवाद)	Listening Skills - 5 (Conversation)	97
36	श्रवण कौशल - 6 (कविता)	Listening Skills - 6 (Poem)	98
37	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल	(Oral speaking Skills)	99
38	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - 1	(Oral speaking Skills - 1)	99
39	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - 2	(Oral speaking Skills - 2)	100
40	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - 3	(Oral speaking Skills - 3)	101
41	मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - 4	(Oral speaking Skills - 4)	102
42	दृश्य अवलोकन कौशल	(Viewing Skills)	103
43	गिनती	(Numbers)	107
44	शब्दावली	(Vocabulary)	108

दिए गए स्थान पर अपना सुंदर-सा चित्र बनाओ या चिपकाओ ।

सचित्र स्वर बोध

अ
a
अनार

आ
aa
आम

इ
e
इमली

ई
ee
ईख

उ
u
उल्लू

ऊ
oo
ऊन

ऋ
ri
ऋषि

ए
ay
एड़ी

ऐ
aie
ऐनक

ओ
o
ओखली

औ
ow
औरत

अनुस्वार और विसर्ग

अं
ang
अंगूर

aha

अः

पुनरावर्तन : स्वर

बोलो और लिखो

अ अ

आ आ

इ इ

ई ई

भारतीय मुद्राएँ (Indian Currencies)

सचित्र व्यंजन बोध

क
ka
कबूतर

ख
kha
खरगोश

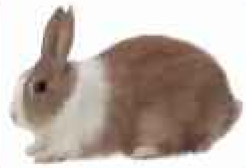

ग
ga
गमला

घ
gha
घर

nga

ङ

च
cha
चरखा

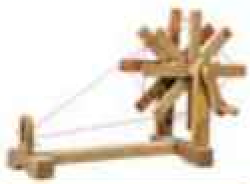

छ
chha
छाता

ज
ja
जहाज

झ
jha
झरना

nya

ञ

ट
ta
टमाटर

ठ
thha
ठठेरा

ड
da
डमरू

ढ
dhha
ढक्कन

ण
ana
बाण

त
ta
तराजू

थ
tha
थरमस

द
da
दवात

ध
dha
धनुष

न
na
नल

प
pa
पतंग

फ
pha
फल

ब
ba
बकरी

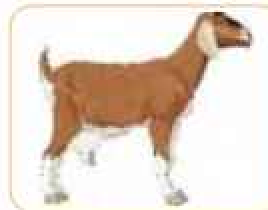

भ
bha
भालू

म
ma
मछली

य
ya
यज्ञ

र
ra
रथ

ल
la
लडका

व
va
वन

श	ष	स	ह
sha	shha	sa	ha
शेर	षटकोण	सपेरा	हल

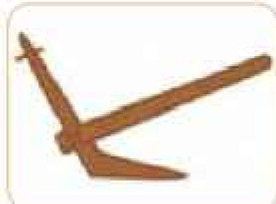

संयुक्त व्यंजन

क्ष	त्र	ज्ञ	श्र
(क्+ष्)	(त्+र्)	(ज्+ञ्)	(श्+र्)
ksha	tra	gya	shra
क्षत्रिय	त्रिशूल	ज्ञानी	श्रीमान

अतिरिक्त वर्ण

Ra ड़

Rh ढ़

These are retroflex flapped (Cerebral) consonants. They are pronounced by curling the tip of the tongue backwards and by flapping, i.e. by striking with a jerk against the top of the palate. The ड़ is similar to 'र' as pronounced in saree (साड़ी) (sa:Ri:). Other Hindi words – सड़क (saRak); जड़ (jaR) 'ढ़' is similar to 'rh' as pronounced in Chandigarh/ Devgarh/Raigarh. Other words - गढ़ (gaRh); पढ़ (PaRh); चढ़ (ChaRh). ड़ and ढ़ never occur in the beginning of a word.

पुनरावर्तन : व्यंजन

बोलो और लिखो

क क

ख ख

ग ग

घ घ

मात्राओं का परिचय

अ की मात्रा	=	क	+		=	क
आ की मात्रा (ा)	=	क	+	ा	=	का
इ की मात्रा (ि)	=	क	+	ि	=	कि
ई की मात्रा (ी)	=	क	+	ी	=	की
उ की मात्रा (ु)	=	क	+	ु	=	कु
ऊ की मात्रा (ू)	=	क	+	ू	=	कू
ए की मात्रा (े)	=	क	+	े	=	के
ऐ की मात्रा (ै)	=	क	+	ै	=	कै
ओ की मात्रा (ो)	=	क	+	ो	=	को
औ की मात्रा (ौ)	=	क	+	ौ	=	कौ
अं की मात्रा (ं)	=	क	+	ं	=	कं
अ: की मात्रा (:)	=	क	+	:	=	क:
ऋ की मात्रा (ृ)	=	क	+	ृ	=	कृ

स्वरों की मात्राएँ

अ

'अ' की कोई मात्रा नहीं होती ।

कमल	भवन	शरबत	पलक
रजत	मनन	चरण	मटर
बहन	शहद	सरक	सड़क
तरकश	बचपन	बरगद	भजन
दशरथ	नटखट	नमक	मखमल

वाक्य

अजय अब आओ ।

बहन आ गई ।

उपवन तरफ चल ।

इधर आओ ।

शरबत तरफ बढ़ ।

अगर मगर मत कर ।

थरमस पकड़ कर गड़बड़ न कर ।

नहर पर चल ।

नयन कलम पकड़ ।

सरपट बस पर चढ़ ।

'अ' का अभ्यास

शब्द पूरे करो

(त, न, म, ड़, ट)

1. म ख ___ ल
2. ___ प
3. प क ___
4. न ___ ख ट
5. ब च प ___

जोड़कर लिखो

स + ब = ___

ड + र = ___

भ + व + न = ___

प + व + न = ___

अ + द + र + क = ___

वर्णों को सही क्रम में लिखकर शब्द बनाओ ।

म ग ल श - ___

ल क म - ___

र त ब न - ___

त ब र श - ___

च अ न क - ___

म न क - ___

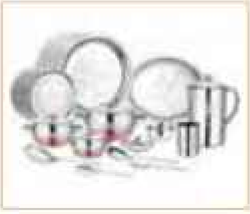

अ + ा

हाथ	नाग	कान	बालक
बादल	पालक	राक्षस	बाजा
कागज़	गाजर	राजा	छाता
जाल	आसमान	आदर	चावल
शानदार	तारा	पाठशाला	घास

वाक्य

राम पाठशाला गया ।

परम और करन बाज़ार गए ।

पापा घर आए ।

चाचा साथ आए ।

भाई उठ गया ।

बहन जाग गई ।

दक्षा खाना लाई ।

सब खाना खाकर बाहर गए ।

आरव आकर अपना काम कर ।

मानव कपड़ा पहन ।

'आ' मात्रा का अभ्यास

चित्र का नाम लिखो ।

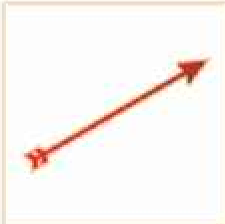

__________ __________ __________ __________ __________

जोड़कर शब्द बनाओ।

रा + धा = __________

आ + रा + म = __________

वा + ह + न = __________

प + हा + ड = __________

द + र + बा + न = __________

द + र + वा + ज़ा = __________

शब्द बनाओ ।

बा

लक

ग

ईस

रात

हर

दाम

__________ __________

__________ __________

__________ __________

'आ' की मात्रा वाले चित्रों के नाम पूरे करो।

____ व ____ ना तब ____ ____ ता ____ स

'अ - आ' मात्रा का अभ्यास

'अमात्रिक शब्द' व 'आ' की मात्रा वाले शब्द अलग-अलग लिखो ।

अ		आ
______	झरना	______
______	बहन	______
______	तलवार	______
______	शरबत	______
______	बरगद	______
	तारा	
	नमक	
	पाठशाला	
	कमल	
	दावत	

सही शब्दों पर गोला लगाओ।

- अचर / अचार
- टमाटर / टमटर
- तलवार / तलवर
- गयब / गायब
- थकना / थकन
- नाटक / नटक
- पहलवान / पहलवन
- जनवर / जानवर
- करखाना / कारखाना
- समझदर / समझदार

दी गई संख्या के वर्णों को जोड़कर शब्द बनाओ।

1	2	3	4	5	6	7	8	9
ना	ल	क	गा	बा	ज	चा	र	द

9+2 = ______ 4+2 = ______

5+2+3 = ______ 3+9 = ______

4+1 = ______ 5+2 = ______

7+2 = ______ 6+2 = ______

3+2 = ______ 4+6+8 = ______

1+3 = ______ 7+9+8 = ______

बारह - खड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
क											
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ख											
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
ग											
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
घ											
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
च											

ड़ - ढ़ का प्रयोग

ड़		ढ़	
लड़ना	लकड़ी	चढ़ना	बढ़
जड़	लाड़ला	पढ़ना	बढ़िया
उड़ना	खिड़की	दाढ़ी	गढ़
बड़ी	पकड़	बुढ़िया	गाढ़ा

- ड़ और ढ़ शब्द के शुरू में नहीं आते हैं।
- अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू के शब्दों में चाहे शुरू में हो, बीच में हो या अंत में ड़ और ढ़ का प्रयोग नहीं होता है।

'ड़ - ढ़' का अभ्यास

चित्र का नाम लिखो

पेड़ मत काटो

सड़क के किनारे एक पेड़ था। उस पर बहुत-सी चिड़ियाँ थीं। पेड़ के नीचे बुढ़िया चूड़ियाँ बेच रही थी। तभी एक बढ़ई आया। वह पेड़ पर चढ़कर पेड़ की डाली काटने लगा। बुढ़िया ने आगे बढ़कर कहा - पेड़ मत काटो। पेड़ पर चिड़ियाँ रहती हैं। पेड़ काटना बुरी बात है।

प्रश्न -

(1) चिड़ियाँ कहाँ रहती थीं?

(2) बुढ़िया क्या बेचती थी?

(3) बढ़ई क्या करने लगा?

(4) बुढ़िया ने बढ़ई को क्या कहा?

'ड़' के तीन शब्द ढूँढ़कर लिखो

'ढ़' के तीन शब्द ढूँढ़कर लिखो

अच्छी आदतें (Good Habits)

सुबह जल्दी उठना

प्रतिदिन स्नान करना

संतुलित भोजन करना

नियम का पालन करना

बड़ों का आदर करना

बड़ों की सहायता करना

छोटे भाई/बहन का ध्यान रखना

स्वच्छता रखना

समय पर विद्यालय जाना

समय पर गृहकार्य करना

खेलकूद करना

समय पर सो जाना

और - ओर का प्रयोग

और	ओर
	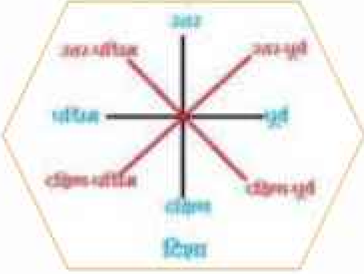
मीना और राजू	पूर्व दिशा की ओर

'और - ओर' का अभ्यास

प्र-1 चित्र देखकर और/ओर लिखो -

____

____

____

____

प्र-2 और/ओर का प्रयोग करो -

(1) रामू ________ श्यामू घूमने गए।

(2) वह अपने घर की ________ भागा।

(3) भरत, इस ________ आओ।

(4) बोतल ________ किताब यहाँ रखो।

(5) खिड़की ________ दरवाज़ा बंद करो।

(6) यह बस शहर की ________ जा रही है।

(7) मैं ________ मेरा भाई एक ही स्कूल में पढ़ते हैं।

(8) रोहन नदी की ________ जा रहा है।

(9) पिताजी बाजार से संतरा ________ आम लेकर आए।

(10) सीता ________ गीता नाच रही हैं।

मैं - में का प्रयोग

मैं	में
मैं लड़का हूँ।	बोतल में पानी है।
मैं दूसरी कक्षा में पढ़ता हूँ।	घर में कमरे हैं।
मैं अच्छा हूँ।	किताब में कहानी है।
मैं होशियार हूँ।	जेब में पैसे हैं।
किसके लिए मैं?	किसके लिए में?
खुद / स्वयं लिए मैं	अंदर के लिए में

'मैं - में' का अभ्यास

प्र-1 मैं - में का प्रयोग करके खाली जगह भरो -

(1) ________ पढ़ रहा हूँ।

(2) कल ________ गिर गया था।

(3) तुम नोटबुक ________ लिखो।

(4) अलमारी ________ कपड़े रख दो।

(5) ________ परिवार के साथ बाहर जाऊँगा।

(6) ________ खाना खाता हूँ।

(7) वह बस ________ जाता है।

(8) वह कमरे ________ बैठा है।

(9) ________ कल अहमदाबाद गया था।

(10) आज ________ बहुत खुश हूँ।

प्र-2 चित्र देखकर मैं - में लिखो -

________ शेर हूँ।

बस्ते ________ किताबें हैं।

________ लिख रही हूँ।

तकिए ________ रुई है।

चित्र वर्णन

चित्र देखकर हमारे मन में कुछ न कुछ भाव अवश्य आते हैं। उन्हीं भावों का लिखकर वर्णन करना ही चित्र वर्णन कहलाता है।

चित्र वर्णन में निम्नलिखित बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए -

1 - चित्र को बारीकी से देखें।

2 - भाषा अच्छी और सरल होनी चाहिए।

3 - वाक्य छोटे और अर्थपूर्ण होने चाहिए।

4 - चित्र की पूर्ण अभिव्यक्ति होनी चाहिए।

5 - चित्र वर्णन में व्यर्थ की बातें नहीं लिखनी चाहिए।

6 - कोई भी बात दुबारा न आए इसका ध्यान रखना चाहिए।

7 - अंत में अपनी राय या प्रतिभाव लिखना चाहिए।

चित्र वर्णन की प्रक्रिया

चित्र कहाँ का है किस बारे में है?

↓

चित्र कब का है? किस समय का है?

↓

चित्र में कौन-कौन है, क्या-क्या है?

↓

चित्र में क्या-क्या हो रहा है?

↓

चित्र में क्रियाएं कैसे हो रही हैं?

चित्र वर्णन का उदाहरण

1 - प्रस्तुत चित्र कहाँ का है? — विद्यालय

2 - प्रस्तुत चित्र कब का है? — सुबह का

3 - चित्र में कौन-कौन हैं? — लड़के - लड़कियां

4 - चित्र में क्या-क्या हो रहा है? — पढाई

5 - चित्र वर्णन में कौन कैसे क्रिया कर रहा है? — बैठकर, खड़े होकर

चित्र वर्णन

- यह एक विद्यालय का चित्र है।
- रोशनी देखकर लग रहा है कि यह सुबह का दृश्य है।
- इस चित्र में कुल चार बच्चे दिखाई दे रहे हैं।
- जिनमें तीन लड़कियाँ और एक लड़का है।
- लड़के के हाथ में बहुत बड़ी पेन्सिल है।
- वहीं दूसरी तरफ एक लड़की पुस्तकों के ऊपर बैठी हुई है।
- सभी बच्चे प्रसन्न दिखाई दे रहे हैं।
- शायद एक-दूसरे से हँसी-मज़ाक कर रहे हैं।
- विद्यालय के पास हरा-भरा मैदान है।
- जिसमें कुछ पेड़ दिखाई पड़ रहे हैं।
- आसमान में बादल भी देखे जा सकते हैं।
- विद्यालय की इमारत के ऊपरी ओर एक घंटा और झंडा भी देखा जा सकता है।

श्रवण कौशल (Listening skills)

भाषा सीखने का प्रथम चरण 'श्रवण' है। श्रवण एक बुनियादी कौशल है। यह भाषा के चारों कौशलों में से पहला कौशल होता है। यह हमारे बाकी कौशलों को विकसित करता है। किसी बात को सुनने से ही हमारे मानसिक व शारीरिक कार्य संपन्न होते हैं। श्रवण सीखने में सहायक होता है। जो विद्यार्थी की समग्र शिक्षा को प्रभावित करता है। अन्य कौशलों में प्रवीण होने के लिए श्रवण कौशल बेहद जरूरी है।

श्रवण कौशल के उद्देश्य -

- सुनकर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- किसी भी श्रुत सामग्री को मनोयोग पूर्वक सुनने की प्रेरणा प्रदान करना।
- श्रुत सामग्री के विषय को भली-भाँति समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
- श्रुत सामग्री का सारांश ग्रहण करने की योग्यता विकसित करना।
- वक्ता के मनोभावों- हर्ष, शोक, क्रोध, आश्चर्य, घृणा आदि को समझना।
- शुद्ध और अशुद्ध उच्चारण में भेद कर सकना।

श्रवण कौशल के विकास की विधियाँ - श्रवण कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

1- श्रुतलेखन
2- भाषण सुनकर
3- समाचार सुनकर
4- उद्घोषणाएँ सुनकर
5- आदेश-निर्देश सुनकर
6- कहानी सुनकर
7- वाद-विवाद सुनकर
8- वार्तालाप सुनकर
9- प्रमुख हस्तियों के साक्षात्कार सुनकर
10- साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेकर
11- फिल्म समीक्षा सुनकर

यहाँ पर हम विद्यार्थियों में कविता, कहानी एवं संवाद के द्वारा श्रवण कौशल का विकास करेंगे।

श्रवण कौशल - 1 (कहानी)

नए शब्द	भालू - एक जानवर	आसमान - आकाश	नरम - कोमल

सही विकल्प पर गोला लगाओ ।

(1) नेहा कैसी लड़की है?
(अ) छोटी-सी (ब) पतली-सी (क) मोटी-सी

(2) भालू क्या है?
(अ) खिलौना (ब) जानवर (क) पक्षी

(3) नेहा का भालू से रिश्ता है -
(अ) भाई-बहन का (ब) दोस्ती का (क) कुछ नहीं

(4) नेहा किस समय बगीचे में गई?
(अ) सुबह (ब) दोपहर (क) शाम

(5) फूल का रंग था -
(अ) लाल (ब) गुलाबी (क) नीला

(6) नीला रंग किसका था?
(अ) घास का (ब) भालू का (क) आसमान का

(7) तितली कैसी थी?
(अ) लाल पंखों वाली (ब) रंगबिरंगी (क) बड़ी

(8) नेहा भालू के साथ कहाँ बैठी?
(अ) डाली पर (ब) घास पर (क) झूले पर

(9) घास थी -
(अ) गर्म (ब) ठंडी (क) नरम

(10) भालू किससे बातें करने लगा?
(अ) तितली से (ब) फूल से (क) घास से

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Oral speaking skills)

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का अर्थ मुख से बोलकर की गई प्रस्तुति है। विद्यार्थी किसी विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करे या उस विषय के बारे में जानकारी दे, उसे मौखिक अभिव्यक्ति कौशल कहते हैं।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल की आवश्यकता - छोटे बच्चों के लिए यह कौशल बहुत ज़रूरी है। इससे निम्नलिखित लाभ हैं -

- भाषा का विकास होता है।
- आत्मविश्वास बढ़ता है।
- सब के सामने बोलने से संकोच दूर होता है।
- निडर बनते हैं।

मौखिक अभिव्यक्ति करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए -

- विषय या वस्तु के बारे में ज़्यादा सोचें।
- प्रस्तुत करने से पहले मन में बुदबुदाए।
- शुद्ध भाषा में बोलने का प्रयास करें।
- शुरुआत विषय के नाम से करें।
- मध्य में उसका उपयोग, तथा उससे संबंधित घटनाएँ या जानकारी दें।
- अंत में प्रतिभाव तथा राय दें।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - 1

निम्नलिखित विषय पर बच्चों से आठ से दस वाक्य बोलने के लिए कहें ।

- मेरा मनपसंद भोजन
- मेरी मनपसंद फिल्म
- मेरी मनपसंद पुस्तक
- मेरा मनपसंद मौसम
- मेरा मनपसंद पालतू पशु/पक्षी
- मेरी यादगार यात्रा
- मेरा मनपसंद वाहन
- मेरा मनपसंद त्योहार
- मेरा मनपसंद खेल
- मेरा मनपसंद गाना

सोचकर बताएँ

- आप किसी पक्षी/पशु का कौन-सा गुण अपनाना चाहोगे और क्यों ?
- अगर किसान अन्न न उगाएँ तो क्या होगा? सोचकर उत्तर दीजिए।
- मेले में कौन-सी सावधानियाँ बरतनी चाहिए? बताइए।
- आप इस धरती को प्रदूषित होने से कैसे बचाएँगे? इस विषय पर अपने सुझाव दीजिए।
- क्या आपके परिवार के लोग गाड़ी चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करते हैं? आपने कब, कहाँ, क्या देखा?
- आपका जन्मदिन कौन से महीने में आता है? पिछले साल आपने अपना जन्मदिन कैसे मनाया?

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल - 2

दिए गए चित्र में सभी लोग आपस में क्या बातें कर रहे होंगे? सोचकर अपने सहपाठी के साथ चर्चा करो।

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 3

चित्र का निरीक्षण करके पाँच से आठ वाक्य अथवा एक छोटी कहानी सुनाइए।

चित्र – 1

चित्र – 2

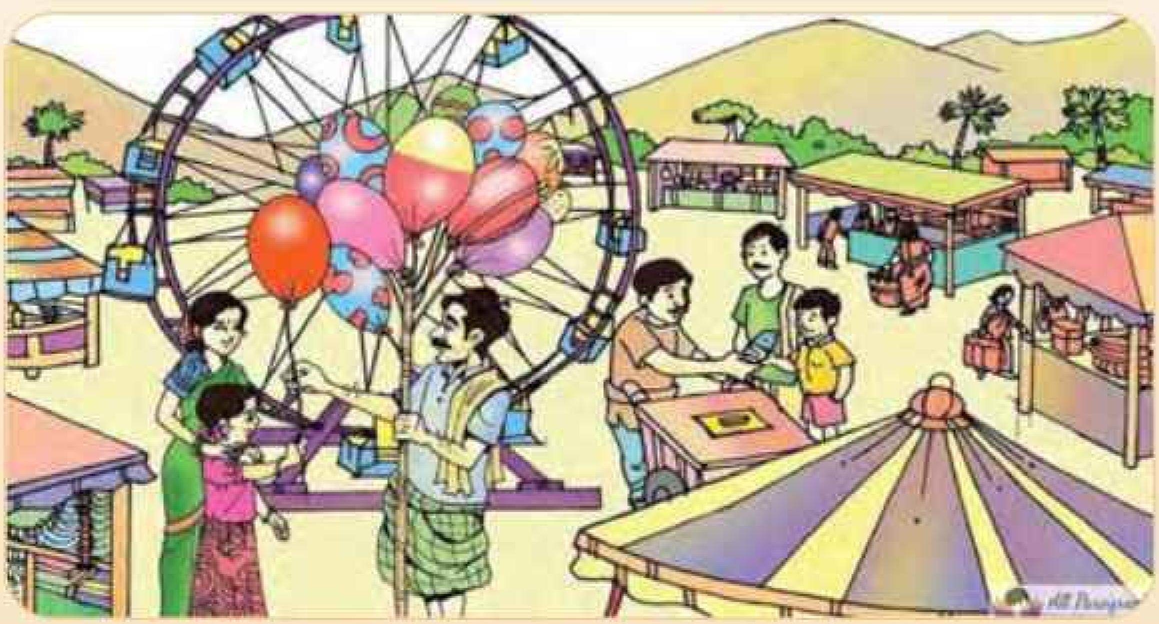

मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 4

नीचे दिए गए चित्र पर से कहानी बनाकर बोलो।

दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills)

हम एक ऐसी डिजीटल दुनिया में रह रहे हैं जहाँ हम चारों ओर से मोबाइल, कैमरा, इंटरनेट आदि से घिरे हुए हैं। अत: अब भाषा में चार कौशलों के साथ एक कौशल और आ गया है जिसे हम दृश्य अवलोकन कौशल कह सकते हैं।

दृश्य अवलोकन कौशल के उद्देश्य-

- विद्यार्थियों अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में निरीक्षण शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।

दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की विधियाँ- दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

१-चित्र/तस्वीर दिखाकर	२- आकृति/प्रतीक दिखाकर
३-वीडियो दिखाकर	४- फिल्म/विज्ञापन दिखाकर
५-चित्रों से कहानी बनाकर	५- अलग-अलग चित्रों में अंतर ढूँढ़कर

दृश्य अवलोकन कौशल – 1

दिए गए चित्र का अवलोकन करते हुए किन्हीं आठ गलतियों पर गोला कीजिए।

दृश्य अवलोकन कौशल - 4

चित्र देखकर सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए ।

1- चित्र का समय है?

क- रात ☐ ख- दोपहर ☐ ग- शाम ☐

2- यह दृश्य कहाँ का है?

क- मैदान ☐ ख- घर ☐ ग- दुकान ☐

3- लड़के ने किस रंग की टोपी पहनी है?

क- हरी ☐ ख- पीली ☐ ग- लाल ☐

4- नाचने वाले लड़के ने क्या पहना है?

क- बेल्ट ☐ ख- चश्मा ☐ ग- घड़ी ☐

5- सभी के चेहरों पर भाव है?

क- खुशी के ☐ ख- दुख के ☐ ग- डर के ☐

6- नीली टी-शर्ट वाले लड़के के हाथ में है?

क- विकेट ☐ ख- बल्ला ☐ ग- गेंद ☐